B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-V

Classical Sanskrit Literature (Drama)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু 'ক' বিভাগত: *সপ্তানাং প্রশ্নানাং* 'খ' বিভাগত: *ত্রয়াণাং প্রশ্নানাং* চ উত্তরম্ সুরগিরা দেবনাগরীলিপিম্ আশ্রিত্য দেয়ম্। 2×10=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *সাতটি* এবং 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি প্রশ্নের* সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।

'ক'-বিভাগ:

'ক'-বিভাগ

(a) 'উদ্যানলতা', 'বনলতা' পদদ্বয়েন কে লক্ষ্যেতে? কিং তত্র কারণম্?
'উদ্যানলতা' ও 'বনলতা' শব্দদ্বয়ের দ্বারা কাদের কথা বলা হয়েছে? এবং তাদের এরূপ বলার কারণ কী?

(b) মৃগানুসারিণ: রাজ্ঞ: বর্ণনা সারথি: কথং কৃতবান্?
সারথি মৃগানুসারী রাজার কিরূপ বর্ণনা দিয়েছেন?

(c) সেনাপতে: বিচারেণ মৃগয়ায়া: উপকারিতা কা?
সেনাপতির মতে মৃগয়ার উপকারিতা কী?

(d) হস্তিনাপুরং প্রবিশ্য শারদ্বতস্য অনুভব: কিম্ আসীত্?
হস্তিনাপুরে প্রবেশ করে শারদ্বতের কী বোধ হয়েছিল?

(e) 'অনসূয়া' 'প্রিয়ংবদা' ইতি পদদ্বয়স্য কো অর্থ:?
'অনসূয়া' ও 'প্রিয়ংবদা' পদদ্বয়ের অর্থ কী?

(f) 'চক্রবাকবধূ: আমন্ত্রয়স্ব সহচরম্, উপস্থিতা রজনী।'- বাক্যেঽস্মিন্ চক্রবাকবধূ তথা রজনী ইতি পদদ্বয়েন কা লক্ষিতা?
'চক্রবাকবধূ: আমন্ত্রয়স্ব সহচরম্, উপস্থিতা রজনী।' — বাক্যটিতে চক্রবাকবধূ ও রজনী শব্দের দ্বারা কাকে বোঝানো হয়েছে?

(g) শকুন্তলায়া: হস্তিনাপুরগমনকালে বনদেবতা: উপহারত্বেন কিম্ আনীতবত্য:?
শকুন্তলার হস্তিনাপুর যাত্রাকালে বনদেবতাগণ কী উপহার এনেছিলেন?

(h) নান্দ্যা: কা আবশ্যকতা? নান্দীষু কেষাং মঙ্গলসূচকানাং পদানাং ব্যবহার: ক্রিয়তে?
নান্দীর উদ্দেশ্য কী? সাধারণভাবে কোন কোন মাঙ্গলিক শব্দ নান্দীতে ব্যবহৃত হয়?

(i) দুষ্যন্ত: কেন প্রকারেণ কেন বৈখানসেন আমন্ত্রিত: আসীত্?
দুষ্যন্ত কীভাবে এবং কোন বৈখানস কর্তৃক আমন্ত্রিত হয়েছিলেন?

(j) गूढ़ं हि दाहात्मकमस्ति तेजः — इति वाक्ये केषां तेजसः वर्णनाऽस्ति? तेषां तेजः केन सह तुल्यते?
'गूढ़ं हि दाहात्मकमस्ति तेजः' — এই বাক্যে কাদের তেজের কথা বলা হয়েছে? তাদের তেজের সাথে কীসের তুলনা করা হয়েছে?

'ख'-विभागः

'খ'-বিভাগ

(k) भासस्य नाट्यवैशिष्ट्यं किम्?
ভাসের নাট্যবৈশিষ্ট্য কী?

(l) संस्कृतदृश्यकाव्यानां आद्यश्लोकस्य अन्तिमश्लोकस्य च पारिभाषिकं नाम किम्?
সংস্কৃত দৃশ্যকাব্যের প্রথম ও শেষ শ্লোকের পারিভাষিক নাম কী?

(m) मृच्छकटिकस्य टीकाकारद्वयस्य नामोल्लेखं कुरु?
মৃচ্ছকটিকের দুজন টীকাকারের নাম লেখো।

(n) भासप्रणीतानां एकाङ्करूपकाणां नामानि लिखत।
ভাসের একাঙ্ক রূপকগুলির নাম লেখো।

(o) प्रतिज्ञायौगन्धरायणमिति रूपकस्य प्रणेतुः नाम किम्? नायिकायाः नायकस्य च नामोल्लेखः कर्तव्यः?
'प्रतिज्ञायौगन्धरायण'-এর প্রণেতা কে? রূপকটির নায়ক ও নায়িকার নাম লেখো।

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো চারটি প্রশ্নের* উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি প্রশ্নের* উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

(a) निम्नलिखितस्य कस्यापि एकस्य संक्षिप्ता टीका करणीया।
নীচের যে কোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।
उत्तररामचरितम्, शूद्रकः
উত্তররামচরিতম্, শূদ্রকঃ

(b) निम्नलिखितस्य कस्यापि एकस्य अनुवादः बङ्गभाषया कुरू।
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো।

ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः
पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।
दर्भैरर्धावलीढ़ैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा
पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति।।

अथवा,/ অথবা,

न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्
मृदुनि मृगशरीरे तूलराशाविवाग्निः।
क्व वत हरिणकाणां जीवितं चातिलोलं
क्व च निशितनिपाताः वज्रसाराः शरास्ते।।

(c) प्राकृतात् संस्कृतभाषया परिवर्तनं कुरू।

প্রাকৃতভাষা থেকে সংস্কৃত ভাষায় পরিবর্তন করো ঃ

ईसीसिचुम्बिआइं भमरेहिं सुउमारकेसरसिहाइं।

ओदंसअन्ति दअमाणा पमदाओ सिरीसकुसुमाइं।।

(d) निम्नलिखितेभ्य: कस्यापि एकस्य श्लोकस्य संस्कृतभाषया व्याख्या कार्या।

নীচের *যে কোনো একটি* শ্লোকের সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।

बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेत:।।

অথবা,/ अथवा,

गच्छति पुर: शरीरं धावति पश्चादसंस्थितं चेत:।

चीनांशुकमिव केतो: प्रतिवातं नीयमानस्य।।

(e) 'परिहासविजल्पितं सखे परमार्थेन न गृह्यतां वच:' केन उक्तमिदं वाक्यम्? नाटकस्य वृद्धयर्थं एतस्य भूमिका आलोचनीया। 1+4=5

'परिहासविजल्पितं सखे परमार्थेन न गृह्यतां वच:' — এটি কার উক্তি? নাটকের অগ্রগতির জন্য এর গুরুত্ব আলোচনা করো।

(f) कस्याप्येकस्य संस्कृतभाषया भावसम्प्रसारणं कुरु।

যে কোনো একটি সংস্কৃত ভাষায় ভাবসম্প্রসারণ করো।

(i) अर्थो हि कन्या परकीय एव।

(ii) भवन्ति नम्रास्तरव: फलागमै:।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु 'क' विभागत *एकस्य* 'ख' विभागत *एकस्य* प्रश्नस्य चोत्तरं लिख्यताम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *একটি* ও 'খ' বিভাগ থেকে *একটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো।

'क'-विभाग:

'ক'-বিভাগ

(a) कालिदासस्य सर्वस्वमभिज्ञानशकुन्तलम् — इति वाक्यस्य याथार्थ्यं प्रतिपादयत।

कालिदासस्य सर्वस्वमभिज्ञानशकुन्तलम् — এই বাক্যের যথার্থতা বিচার করো।

(b) कालिदासस्य अभिज्ञानशकुन्तलं इति नाटकस्य पञ्चमाङ्के वर्णितं शकुन्तलाप्रत्याख्यातम् संक्षेपेण आलोचयत्। तथा तस्य कारणानि च विचारयत।

কালিদাসের অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটকের পঞ্চম অঙ্কের শকুন্তলার প্রত্যাখ্যান দৃশ্যটি সংক্ষেপে বর্ণনা করে এর কারণ বিচার করো।

'ख'-विभागः

'খ'-বিভাগ

(c) श्रीहर्षरचितग्रन्थानाम् आलोचनां कुरु।
শ্রীহর্ষের রচনাবলী সম্পর্কে আলোচনা করো।

(d) प्रकरणं किम्? द्वयोः प्रकरणयोः नामोल्लेखं कुरु। कस्याप्येकस्य नाट्यमूल्यनिरूपणं कुरु।
প্রকরণ কাকে বলে? দুটি প্রকরণের নাম লেখো। তাদের মধ্যে যে কোনো একটি প্রকরণের নাট্যমূল্য নির্ণয় করো।